मेवाड़ विश्वविद्यालय ने मनाई गुरुनानक देव जयंती

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मंगलवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में गुरुनानक देव जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्र ने कहा कि सभी लोग मिलकर रहें इसी भावना से ओत-प्रोत था गुरु नानक देव जी का जीवन। सिख धर्म की स्थापना कर उन्होंने समाज को एक रह कर रहने की प्रेरणा दी। उनका समाज पर बहुत बड़ा योगदान है।. पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने गुरुनानक देव को याद करते हुए कहा कि समतामूलक समाज की स्थापना करने के पीछे उनका उद्देश्य विश्व कल्याण था। इसके पीछे विश्वबन्धुत्व की भावना प्रबल थी। समाज में कोई भी भेदभाव न रहे इसीलिए उन्होंने लंगर, पंगत और संगत की परम्परा चलाई जो आज तक सामाजिक समरसता ते उद्देश्य के साथ चल रही है। कार्यक्रम की संयोजिका पैरामेडिकल विभाग की सहायक प्रोफेसर रुक्मणी ने बताया कि इस अवसर पैरामेडिकल की छात्रा कीर्ति यादव ने नृत्य, साद्या और टीम ने ग्रुप सांग प्रस्तुत किया। एमएससी मैथमेटिक्स की छात्रा कृष्णा कुमारी ने गुरुनानक जी पर दोहा, सिमरन चारक, सिमरन मन्हास, जॉन ने नृत्य, दानिश बशीर, इम्तियाज तथा जुल्फिकार ने गीत की प्रस्तुति दी। फाइन डिपार्टमेंट की छात्राओं कल्पना मेहता तथा झलक बागचा वे गुरु नानक देव जी पर पेंटिग बनाकर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन साजिद व निलोफर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन पैरामेडिकल विभाग की सहायक प्रोफेसर शान्तिनाथ ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव दीप्ति शास्त्री, प्रो. सुदर्शन, प्रो. हरी सिंह चैहान, प्रो. हरिओम शर्मा, डॉ0 शुभदा पाण्डेय, डॉ0 फाईक अहमद, अंकित नवलखा, शादाब खान चैहान, आयुष कुमार गुप्ता, अंजलि त्रिपाठी, लविना चपलोत, सुप्रिया कुमारी, ज्योति शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मनाई गई गुरुनानक देव जयंती

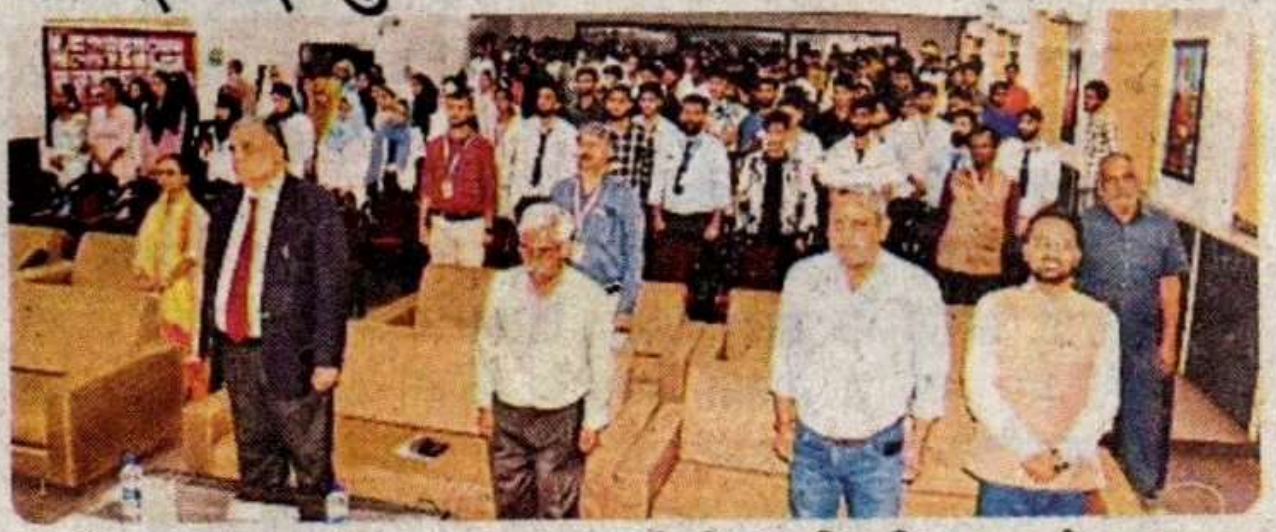

चित्तौड़गढ़ @ पत्रिका. मंगलवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में गुरुनानक देव जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र ने कहा कि सभी लोग मिलकर रहें इसी भावना से ओत-प्रोत था गुरु नानक देव जी का जीवन। सिख धर्म की स्थापना कर उन्होंने समाज को एक रह कर रहने की प्रेरणा दी। उनका समाज पर बहुत बड़ा योगदान है।. पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने गुरुनानक देव को याद करते हुए कहा कि समतामूलक समाज की स्थापना करने के पीछे उनका उद्देश्य विश्व कल्याण था। इसके पीछे विश्वबन्धुत्व की भावना प्रबल थी। समाज में कोई भी भेदभाव न रहे इसीलिए उन्होंने लंगर, पंगत और संगत की परम्परा चलाई जो आज तक सामाजिक समरसता ते उद्देश्य के साथ चल रही है।. कार्यर म की संयोजिका पैरामेडिकल विभाग की सहायक प्रोफेसर रुक्मणी ने बताया कि इस अवसर पैरामेडिकल की छात्रा कीर्ति यादव ने नृत्य,. साद्या और टीम ने ग्रुप सांग प्रस्तुत किया। एमएससी की छात्रा कृष्णा कुमारी ने गुरुनानक जी पर दोहा, सिमरन चारक, सिमरन मन्हास, जॉन ने नृत्य, दानिश बशीर, इम्तियाज तथा जुल्फिक्कार ने गीत की प्रस्तुति दी। फाइन डिपार्टमेंट की छात्राओं कल्पना मेहता तथा झलक बागचा वे गुरु नानक देव जी पर पेंटिग बनाकर प्रस्तुत किया। संचालन साजिद व निलोफर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन पैरामेडिकल विभाग की सहायक प्रोफेसर शान्तिनाथ ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव दीप्ति शास्त्री, प्रो. सुदर्शन, प्रो. हरी सिंह चौहान, प्रो. हरिओम शर्मा, डॉ. शुभदा पाण्डेय, डॉ. फाईक अहमद, अंकित नवलखा, शादाब खान चौहान, आयुष कुमार गुप्ता, अंजली त्रिपाठी, लविना चपलोत, सुप्रिया कुमारी, ज्योति शर्मा उपस्थित रहे।

Rajasthan Patrika 09-11-2022

मेवाड़ विश्वविद्यालय के चित्रकला संकाय के विद्यार्थियों ने पेंटिंग बनाकर गुरूनानक देव जी को किया याद

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। दिनांक 8 नवंबर 2022 मंगलवार कार्तिक पूर्णिमा के दिन मेवाड़ विश्वविद्यालय के चित्रकला के विद्यार्थियों ने गुरूनानक देव जी की जयंती पर उनकी पेंटिंग बनाकर याद किया गया। इस अवसर पर फाइन आर्ट/ योग/ एस्ट्रोलॉजी विभाग की डीन प्रो. (डॉ.) चित्रलेखा सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने संदेश दिया कि ईश्वर मनुष्य के हृदय में बसता है, अगर हृदय में निर्दयता है, नफरत है, पर-निंदा है, क्रोध आदि विकार हैं तो ऐसे मैले हृदय में परमात्मा बैठने के लिए तैयार नहीं हो सकता है। चित्रकला विभागाध्यक्ष ओमप्रकाश सालवी ने बताया कि चित्रकला विषय के विद्यार्थियों ने गुरु नानक देव जी की विभिन्न तरह की पेंटिंग बनाकर उनके जीवन पर प्रकाश डाला। सहायक प्राध्यापक श्रीमती लीला जोशी ने बताया कि चित्रकला के विद्यार्थी गुंजन कुमावत, कल्पना मेहता, झलक रानी बागचर, निर्मल, कृतिका व आकाश कुमार ने भाग लिया। इस अवसर पर फाइन आर्ट विभाग के ब्रांड मैनेजर अमित चेचानी व संगीत विभाग के प्रोफ़ेसर डॉ. त्रिगुनातीत जैमिनी भी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय के चित्रकला संकाय के विद्यार्थियों ने पेंटिंग बनाकर गुरूनानक देव जी को किया याद

गुरु नानक देव जी के जीवन दर्शन को अपनाकर मनुष्य अपना जीवन सफल कर सकता है- प्रो. (डॉ.) चित्रलेखा सिंह

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। दिनांक 8 नवंबर 2022 मंगलवार कार्तिक पूर्णिमा के दिन मेवाड़ विश्वविद्यालय के चित्रकला के विद्यार्थियों ने गुरूनानक देव जी की जयंती पर उनकी पेंटिंग बनाकर याद किया गया। इस अवसर पर फाइन आर्ट/ योग/ एस्ट्रोलॉजी विभाग की डीन प्रो. (डॉ.) चित्रलेखा सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने संदेश दिया कि ईश्वर मनुष्य के हृदय में बसता है, अगर हृदय में निर्दयता है, नफरत है, पर-निंदा है, क्रोध आदि विकार हैं तो ऐसे मैले हृदय में परमात्मा बैठने के लिए तैयार नहीं हो सकता है। चित्रकला विभागाध्यक्ष ओमप्रकाश सालवी ने बताया कि चित्रकला विषय के विद्यार्थियों ने गुरु नानक देव जी की विभिन्न तरह की पेंटिंग बनाकर उनके जीवन पर प्रकाश डाला। सहायक प्राध्यापक श्रीमती लीला जोशी ने बताया कि चित्रकला के विद्यार्थी गुंजन कुमावत, कल्पना मेहता, झलक रानी बागचर, निर्मल, कृतिका व आकाश कुमार ने भाग लिया। इस अवसर पर फाइन आर्ट विभाग के ब्रांड मैनेजर अमित चेचानी व संगीत विभाग के प्रोफ़ेसर डॉ. त्रिगुनातीत जैमिनी भी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय ने मनाई गुरुनानक देव जयंती

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। मंगलवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में गुरुनानक देव जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्र ने कहा कि सभी लोग मिलकर रहें इसी भावना से ओत-प्रोत था गुरु नानक देव जी का जीवन। सिख धर्म की स्थापना कर उन्होंने समाज को एक रह कर रहने की प्रेरणा दी। उनका समाज पर बहुत बड़ा योगदान है। पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने गुरुनानक देव को याद करते हुए कहा कि समतामूलक समाज की स्थापना करने के पीछे उनका उद्देश्य विश्व कल्याण था। इसके पीछे विश्वबन्धुत्व की भावना प्रबल थी। समाज में कोई भी भेदभाव न रहे इसीलिए उन्होंने लंगर, पंगत और संगत की परम्परा चलाई जो आज तक सामाजिक समरसता ते उद्देश्य के साथ चल रही है। कार्यक्रम की संयोजिका पैरामेडिकल विभाग की सहायक प्रोफेसर रुक्मणी ने बताया कि इस अवसर पैरामेडिकल की छात्रा कीर्ति यादव ने नृत्य, साद्या और टीम ने ग्रुप सांग प्रस्तुत किया। एमएससी मैथमेटिक्स की छात्रा कृष्णा कुमारी ने गुरुनानक जी पर दोहा, सिमरन चारक, सिमरन मन्हास, जॉन ने नृत्य, दानिश बशीर, इम्तियाज तथा जुल्फिकार ने गीत की प्रस्तुति दी। फाइन डिपार्टमेंट की छात्राओं कल्पना मेहता तथा झलक बागचा वे गुरु नानक देव जी पर पेंटिग बनाकर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन साजिद व निलोफर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन पैरामेडिकल विभाग की सहायक प्रोफेसर शान्तिनाथ ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव दीप्ति शास्त्री, प्रो. सुदर्शन, प्रो. हरी सिंह चैहान, प्रो. हरिओम शर्मा, डॉ0 शुभदा पाण्डेय, डॉ0 फाईक अहमद, अंकित नवलखा, शादाब खान चैहान, आयुष कुमार गुप्ता, अंजलि त्रिपाठी, लविना चपलोत, सुप्रिया कुमारी, ज्योति शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विविध आयोजन कर मनाई गुरुनानक देव जयंती

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया प्रकाश पर्व

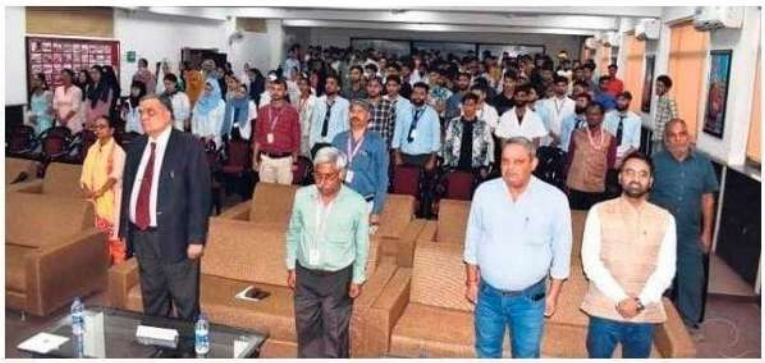

चित्तौड़गढ़, 8 नवम्बर (नसं.)। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक जयंती पर मंगलवार को शहर के प्रतापनगर स्थित गुरुद्वारा में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रकाश पर्व के उपलक्ष में सिख समुदाय द्वारा पिछले 15 दिनों से सुबह प्रभात फेरी शहर के प्रमुख मार्गों पर निकाली जा रही है। इसके साथ ही शब्द कीर्तन का आयोजन भी हो रहा है। मंगलवार को गुरुद्वारा में शब्द कीर्तन के साथ ही लंगर का आयोजन भी किया गया जिसमें हजारों व्यक्तियों ने भाग लिया। इस मौके पर बच्चों के लिए शब्द कीर्तन की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। वहीं ज्ञानी करनैल सिंह सहित कई संतों ने कीर्तन की हाजिरी भरी। इस अवसर पर राज्य मंत्री सुरेन्द्रसिंह जाड़ावत, सभापति संदीप शर्मा ने भी गुरुद्वारा पहुंचकर शीश नवाया। इस मौके पर आतिशबाजी का आयोजन कर हर्ष व्यक्त किया गया।

इसी प्रकार आलोक सीनियर सेकेंडरी स्कूल सूरजपोल में मंगलवार को गुरु नानक जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम की शुरुआत गुरु नानक, मां सरस्वती एवं आचार्य की तस्वीरों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन प्रधानाध्यापिका श्रीमती इंदु पिल्लई द्वारा की गई। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं व अध्यापिका अनामिका दवे द्वारा गुरु नानक के जीवन पर विभिन्न घटनाएं व प्रसंगों की जानकारी दी गई।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाई गुरुनानक देव जयंती

गंगरार। सभी लोग मिलकर रहें, इसी भावना से ओत-प्रोत था गुरु नानक देव का जीवन। सिक्ख धर्म की स्थापना कर उन्होंने समाज को एक होकर रहने की प्रेरणा दी, उनका समाज पर बहुत बड़ा योगदान है।

उक्त विचार मंगलवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में गुरुनानक देव जयंती के उपलक्ष में आयोजित समारोह में कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्र ने व्यक्त किये। कार्यक्रम में पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने गुरुनानक देव को याद करते हुए कहा कि समता मूलक समाज की स्थापना करने के पीछे उनका उद्देश्य विश्व कल्याण एवं विश्व बन्धुत्व की भावना प्रबल थी। समाज में कोई भी भेदभाव न रहे इसीलिए उन्होंने लंगर, पंगत और संगत की परम्परा चलाई जो आज तक सामाजिक समरसता के उद्देश्य के साथ चल रही है। कार्यक्रम की संयोजिका सहायक प्रोफेसर रुक्मणी ने बताया कि इस अवसर पैरामेडिकल की छात्रा कीर्ति यादव ने नृत्य, साद्या और टीम ने ग्रुप सांग प्रस्तुत किया। एमएससी मैथमेटिक्स की छात्रा कृष्णा कुमारी ने गुरुनानक पर दोहा, सिमरन चारक, सिमरन मन्हास, जॉन ने नृत्य, दानिश बशीर, इम्तियाज तथा जुल्फिकार ने गीत की प्रस्तुति दी। फाइन डिपार्टमेंट की छात्रा कल्पना मेहता तथा झलक बागचा वे गुरु नानक देव पर पेंटिग बनाकर प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में साजिद, नीलोफर, पैरामेडिकल विभाग के सहायक प्रो. शान्तिनाथ, कुलसचिव दीप्ति शास्त्री, प्रो. सुदर्शन, प्रो. हरी सिंह चौहान, प्रो. हरिओम शर्मा, डॉ. शुभदा पाण्डेय आदि सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शबद कीर्तन का आयोजन

आकोला। कार्तिक शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार सुबह गुरु नानक देव की महिमा में जेके नानक शाह जी ओट, धन गुरु नानक सारा जग तारिया सहित अनेक मधुर भजन व कीर्तन का आयोजन हुआ। वहीं रात को सिख समुदाय के लोगों ने गुरुजी का पाठ किया तथा गुरु नानक के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में रात को केक काटा गया। कस्बे में गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर कस्बे में रंगोली सजाई गई तथा गुरुनानक देव की तस्वीर की पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही संकीर्तन भी किया गया। इस दौरान बलवंत सिंह चावला, सज्जन सिंह चांवला, राजेन्द्र सिंह, सोहन सिंह, रविंद्र सिंह, अवतार सिंह, महेन्द्र सिंह जोरावर सिंह, सतपाल सिंह आदि की उपस्थिति में वाहे गुरु की महिमा का बखान किया गया तथा संकीर्तन कर गुरु का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर सभी सिख समाज के लोगो ने अपना व्यापार बंद रखा तथा घरों में सजावट की।

मेवाड़ विश्वविद्यालय के चित्रकला संकाय के विद्यार्थियों ने पेंटिंग बनाकर गुरूनानक देव जी को किया याद

गुरु नानक देव जी के जीवन दर्शन को अपनाकर मनुष्य अपना जीवन सफल कर सकता है : सिंह

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़। 8 नवंबर मंगलवार कार्तिक पूर्णिमा के दिन मेवाड़ विश्वविद्यालय के चित्रकला के विद्यार्थियों ने गुरूनानक देव जी की जयंती पर उनकी पेंटिंग बनाकर याद किया गया। इस अवसर पर फाइन आर्ट/ योग/

एस्ट्रोलॉजी विभाग की डीन प्रो. (डॉ.) चित्रलेखा सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने संदेश दिया कि ईश्वर मनुष्य के हृदय में बसता है, अगर हृदय में निर्दयता है, नफरत है, पर-निंदा है, क्रोध आदि विकार हैं तो ऐसे मैले हृदय में परमात्मा बैठने के लिए तैयार नहीं हो सकता है।